https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

12. मयकोफेनोलेट मोफेटील (एम एम एफ)

12.1 ववरण

कुछ बाल गठयिा रोगों में प्रतरिक्षा तंत्र का कुछ भाग अधकि कार्य करने लगता है। यह दवा B तथा T लम्फिोसाइट (जो एक प्रकार की सफ़ेद रक्त कणकिाएँ हैं) दूसरे शब्दों में यह प्रतरिक्षा में सक्रयि कोशकिाओं के बढ़ने की दर को कम करती है। एम एम एफ इस प्रक्रयिा से काम करती है। तथा दवा शुरू करने के कुछ हप्ते बाद इसका प्रभाव आता है।

12.2 डोज / देने का तरीका

यह दवा खाने की गोली अथवा पाउडर घोल के रूप में १-३ ग्रा प्रतदिनि लयिा जाता है। इसे भोजन के साथ नहीं लेना चाहएि क्योंकि खाने के साथ इसे लेने से दवा का अवशोषण कम होता है यदि एक खुराक छूट गयी है तो उसे दूसरे खुराक के साथ नहीं लेना चाहएि तथा इसे ठीक तरह से बंद करके रखना चाहएि सही तौर पर एक ही दनि में अलग अलग समय पर खून के सेम्पल लेकर दवा की मात्रा की जाँच करनी चाहएि जो हर मरीज में डोस को समायोजति करने के लएि जरूरी है।

12.3 दुष्प्रभाव

सबसे आम दुष्प्रभाव पेट की खराबी है जो १०-३०% मरीजों में देखी गई है। जसिमें दस्त उल्टी, मतिली तथा कब्ज की शकिायत आम है। यदि यह दुष्प्रभाव लम्बे समय तक रहते हैं तो कम डोस में दवा या समान प्रकार की दवा मायफोर्टकि का उपयोग लाभकारी है। इस दवा से सफ़ेद रक्त कणकिाओं / प्लेटलेट की संख्या में कमी हो सकती है, इसलएि इनकी जाँच प्रतमिाह करना चाहएि। यदि इन कणकिाओं की संख्या में कमी आती है तो कुछ समय के लएि दवा को बंद कर देना चाहएि।

इस दवा के कारण इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है तथा प्रतरिक्षा कम होने की वजह से जैवकि टीकों के प्रभाव में भी रूकावट आती है। इसलएि इस दवा के चलते हुए बच्चे को जैवकि टीके जैसे खसरे का टीका आदि नहीं देना चाहएि। टीकाकरण के बारे में डॉक्टरी सलाह लेना

चाहिए तथा गर्भधारण नहीं करना चाहिए।
नियमित डॉक्टरी जाँच तथा खून व पेशाब की प्रतिमाह जाँच दुष्प्रभावों के नियंत्रण के लिए जरुरी है।

12.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोगों में उपयोग
जुवेनाइल सिस्टेमिक ल्यूपस एरीथमेटोसस

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov